राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा वनमण्डल धमतरी में एक दिवसीय कार्यशाला सह क्षेत्र भ्रमण का आयोजन

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत ''Climate Adaptation in Wetlands along the Mahanadi River Catchment Area in Chhattisgarh'' परियोजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र, रायपुर द्वारा परियोजना क्षेत्र के समीप केकती प्रशिक्षण केंद्र दुगली वन परिक्षेत्र, दुगली विकासखंड नगरी, वनमण्डल धमतरी में दिनांक 10/07/2018 को एक दिवसीय कार्यशाला सह क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम में परियोजना से संबंधित समस्त विभाग जैसे कृषि, पशुपालन, जल संसाधन, मत्स्य पालन, सिंचाई, नाबार्ड, क्रेडा, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण विभाग आदि विभागों के अधिकारी/ कर्मचारी, स्थानीय जन प्रतिनिधि, परियोजना क्षेत्र के स्थानीय निवासी तथा परंपरागत चिकित्सा पद्धति एवं स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े वैद्य इत्यादि प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यशाला सह क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम श्री हरीश पांडे, उप वनमण्डलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष धमतरी श्री राजाराम मंडावी, विशिष्ट अतिथि श्री राम गोविंद सिंह, रोपवे एग्रोप्रोड्यूसर एवं श्री सिद्धार्थ शर्मा, वेलेडा हर्बल, राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण

संस्थान एवं राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र के प्रतिनिधि डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव, श्री देवेन्द्र शर्मा, श्री राकेश कुमार श्रीवास एवं श्री मुकेश कुमार पैकरा तथा वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव, रिसर्च एसोसिएट, राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं इसके हानिकारक प्रभावों पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दी गई तथा राज्य में आद्र भूमि संरक्षण आधारित परियोजना के संबंध में उपस्थित प्रतिभागियों को जानकारी दी।उप संचालक, नाबार्ड श्री धुरंधर द्वारा जल की महत्ता एवं परियोजना क्षेत्र में जल के संवर्धन एवं संरक्षण हेतु विशेष कार्य योजना बनाने पर जोर दिया गया तथा वन विभाग एवं स्थानीय विभागों के संयुक्त प्रयास के द्वारा परियोजना के उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है। कृषि विभाग द्वारा कृषि एवं कृषि के विभिन्न पद्धतियों से प्राप्त होने वाले लाभ के बारे में स्थानीय कृषकों को अवगत कराया गया एवं कृषि के अतिरिक्त कृषि वानिकी के अंतर्गत फसल विविधता, पशुपालन, मत्स्य पालन, सुकर पालन के महत्व के प्रति जागरुक किया गया, साथ ही कृषकों को अपने उत्पाद के ब्रांडिंग, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, तकनीक एवं औषधीय पादपों की खेती हेतु प्रेरित किया। साथ ही न्यूनतम व्यय आधारित जैविक खेती की ओर अग्रसर होकर स्वास्थ्य से जुड़े लाभ को भी बतलाया गया।

उप संचालक, नाबार्ड श्री धुरंधर द्वारा जल की महत्ता एवं परियोजना क्षेत्र में जल के संवर्धन एवं संरक्षण हेतु विशेष कार्य योजना

बनाने पर जोर दिया गया तथा वन विभाग एवं स्थानीय विभागों के संयुक्त प्रयास के द्वारा परियोजना के उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है। कृषि विभाग द्वारा कृषि एवं कृषि के विभिन्न पद्धतियों से प्राप्त होने वाले लाभ के बारे में स्थानीय कृषकों को अवगत कराया गया एवं कृषि के अतिरिक्त कृषि वानिकी के अंतर्गत फसल विविधता, पशुपालन, मत्स्य पालन, सुकर पालन के महत्व के प्रति जागरुक किया गया, साथ ही कृषकों को अपने उत्पाद के ब्रांडिंग, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, तकनीक एवं औषधीय पादपों की खेती हेतु प्रेरित किया। साथ ही न्यूनतम व्यय आधारित जैविक खेती की ओर अग्रसर होकर स्वास्थ्य से जुड़े लाभ को भी बतलाया गया। प्रतिनिधि पशु चिकित्सालय द्वारा पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान में बेहतर प्रजातियों के पालन तथा पशुपालन प्रबंधन पर विशेष प्रयास किए जाने का अनुरोध किया गया तथा जैविक खेती करने हेतु स्वयं के प्रक्षेत्र में पशुओं के मरणोपरांत जीवाश्म स्वरुप ''समाधि खाद'' बनाने की तकनीक को समझाया।

श्री राम गोविंद सिंह, रोपवे एग्रोप्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, लखनऊ (उ. प्र.) द्वारा प्रमाणित उत्पाद, न्यूनतम व्यय आधारित खेती, उत्पादों के मांग एवं बाजार तथा उत्पादों के बेहतर मूल्य निर्धारण हेतु एक विशेष नीति बनाने पर जोर दिया गया, ताकि उत्पादों को प्रमुख बाजार से जोड़ा जा सके।पशु चिकित्सालय द्वारा पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान में बेहतर प्रजातियों के पालन तथा पशुपालन प्रबंधन पर विशेष प्रयास किए जाने का अनुरोध किया गया तथा जैविक खेती करने हेतु स्वयं के प्रक्षेत्र में पशुओं के मरणोपरांत जीवाश्म स्वरुप ''समाधि खाद'' बनाने की तकनीक को समझाया।

श्री राम गोविंद सिंह, रोपवे एग्रोप्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, लखनऊ (उ.प्र.) द्वारा प्रमाणित उत्पाद, न्यूनतम व्यय आधारित खेती, उत्पादों के मांग एवं बाजार तथा उत्पादों के बेहतर मूल्य निर्धारण हेतु एक विशेष नीति बनाने पर

जोर दिया गया, ताकि उत्पादों को प्रमुख बाजार से जोड़ा जा सके। कार्यशाला के दूसरे चरण में प्रतिभागियों के साथ एकीकृत विभागों द्वारा परियोजना क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों तथा स्थानीय लोगों के समन्वय से कार्य योजना तैयार करने हेतु नवीन तिथि प्रस्तावित की गई, जिसमें कार्य योजना का अनुमोदन किया जावेगा। कार्यशाला सह क्षेत्र भ्रमण के अंतिम चरण में श्री हरीश पाण्डेय, उप वनमण्डलाधिकारी, धमतरी द्वारा उपस्थित विभागीय प्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों को कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

इसके अतिरिक्त राज्य वनौषधि पादप बोर्ड, रायपुर द्वारा धमतरी वनमण्डल के अंतर्गत पोषित वानिकी नर्सरी कोलियारी तथा रुद्री का भ्रमण किया गया, जिसमें पौधा रोपण हेतु तैयार पौधों की उपलब्धता की जानकारी ली गई।

—:0:—